राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
राजभवन, पटना–800022

ई–मेल–pr.rajbhavan@gmail.com
prrajbhavanbihar@gmail.com
मोबाईल–9431283596

प्रेस–विज्ञप्ति

राजभवन में आयोजित 'नैक' विषयक दो दिवसीय कार्यशाला सम्पन्न
बिहार के विश्वविद्यालयों को शोध एवं अनुसंधान पर अपनी उत्कृष्टता सिद्ध करने हेतु आगे आना चाहिए–अध्यक्ष, भा॰सा॰वि॰अनुसंधान परिषद्

पटना, 05 अप्रैल 2019

''उच्च शिक्षा से जुड़े संस्थानों को समाज की विभिन्न समस्याओं के निराकरण हेतु सार्थक पहल करते हुए समुचित रास्ते सुझाने चाहिए। भारतीय विश्वविद्यालयों को देश और समाज की विभिन्न दुविधाओं, भ्रमों एवं आशंकाओं का निवारण करना चाहिए। विभिन्नता वाले भारत देश में यहाँ की एकात्मकता ही इसका वास्तविक सौन्दर्य और सामर्थ्य है।'' –उक्त उद्‌गार, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली (I.C.S.S.R, New Delhi) के अध्यक्ष डॉ॰ बी॰बी॰ कुमार ने राजभवन में 'नैक जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यशाला' के समापन–सत्र को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए व्यक्त किये।

डॉ॰ कुमार ने कहा कि उच्च शिक्षा क्षेत्र में शोध एवं अनुसंधान पर कुछ खास विश्वविद्यालयों के एकाधिकार को तोड़ने के लिए बिहार और उड़ीसा जैसे राज्यों के विश्वविद्यालयों को आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा कि बिहार की छात्र एवं शिक्षक–प्रतिभाओं की उत्कृष्टता का कोई जबाब नहीं है। यहाँ के विद्यार्थी बाहर के विश्वविद्यालयों में अध्ययन कर काफी बेहतर प्रदर्शन करते हैं। आवश्यकता है कि इन्हें अपने राज्य के विश्वविद्यालयों में ही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं पुस्तकालय–प्रयोगशाला आदि आधारभूत संरचनाओं की सुविधा मुहैया करायी जाये। डॉ॰ कुमार ने कहा कि 'नैक प्रत्ययन' आज सभी विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के लिए प्राथमिक एवं मूलभूत जरूरत बन गया है। इसी आधार पर 'यू॰जी॰सी॰', 'रूसा' एवं अन्य केन्द्रीय शैक्षणिक एजेन्सियों से वित्तीय सहयोग प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि केन्द्रीय एजेन्सियों से सहयोग प्राप्त किए बिना उच्च शिक्षा संस्थानों का समग्र विकास संभव नहीं है।

श्री कुमार ने कहा कि बिहार में उच्च शिक्षा को कुलाधिपति के मार्ग–दर्शन में एक सकारात्मक दिशा मिली है। उन्होंने कहा कि 'नैक प्रत्ययन' के लिए राजभवन की सार्थक पहल का ही नतीजा है कि सभी विश्वविद्यालयों के कुलपति एवं महाविद्यालयों के प्राचार्य सामूहिक रूप से एकत्रित होकर आज विशेषज्ञों के विचारों से लाभान्वित हो रहे हैं एवं पारस्परिक विचारों का भी आदान–प्रदान कर रहे हैं।

समापन–सत्र को संबोधित करते हुए राज्यपाल के उच्च शिक्षा परामर्शी प्रो॰आर॰सी॰ सोबती ने कहा कि बिहार में पिछले दिनों उच्च शिक्षा के विकास हेतु राज्यपाल के दिशा–निर्देश प्राप्त करते हुए काफी तेजी से प्रयास हुए हैं। उन्होंने कहा कि सभी विश्वविद्यालयों को पहले 'नैक प्रत्ययन' पूरी तत्परता से प्राप्त कर लेना चाहिए, फिर बाद में 'ग्रेड' में बेहतरी के लिए उनमें स्वतः समझ और ललक जग जायेगी।

आगे पृष्ठ....2 पर

समापन के अवसर पर कार्यशाला की सार्थकता का विश्लेषण करते हुए राज्यपाल के प्रधान सचिव श्री विवेक कुमार सिंह ने कहा कि अपेक्षित पूर्ण उपस्थिति, प्रतिभागियों की एकाग्रता का स्तर, विषय की उपयोगिता और निष्कर्ष (Outcome) –इन चार मानकों पर ही किसी कार्यशाला की मूल्यवत्ता निर्धारित होती है। श्री सिंह ने कहा कि 'नैक' पर आधारित इस कार्यशाला को 500 से भी अधिक प्रतिभागियों की उपस्थिति, रिसोर्स पर्सन्स को सुनने में प्रतिभागियों की एकाग्रता और गंभीरता, विषय की समीचीनता और प्रतिफलन –चारों ही दृष्टियों से सफल माना जाएगा। प्रधान सचिव ने कहा कि सभी विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों को 15 अप्रैल, 2019 तक नैक प्रत्ययन की दिशा में आगे बढ़ते हुए आई॰आई॰क्यू॰ए॰ (इन्स्टीच्यूशनल इनफॉरमेशन फॉर क्वालिटी एसेसमेंट) हेतु निश्चित रूप से अपना प्रतिवेदन दाखिल कर देना चाहिए।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कार्यशाला के संयोजक एवं ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो॰ एस॰के॰ सिंह ने कहा कि यह कार्यशाला काफी फलदायी रही है और विशेषज्ञों ने भी काफी व्यावहारिक रूप से सभी प्रतिभागियों की नैक विषयक जिज्ञासाओं का समाधान किया है।

समापन–सत्र में ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा के प्रतिकुलपति डॉ॰ जयगोपाल ने कार्यशाला के सभी सत्रों की समेकित कार्य–विवरणी प्रस्तुत की। धन्यवाद–ज्ञापन ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय के कुलसचिव कर्नल निशीथ कुमार राय ने किया जबकि संचालन प्रो॰ रतन कुमार चौधरी द्वारा हुआ।

इसके पूर्व आज कार्यशाला में 'नैक' प्रत्ययन हेतु ऑनलाईन भरे जानेवाले 'I.I.Q.A.' (इन्स्टीच्यूशनल इनफॉरमेशन फॉर क्वालिटी एसेसमेंट) और 'S.S.R. (सेल्फ स्टडी रिपोर्ट) की अपलोडिंग से संबंधित प्रायोगिक प्रशिक्षण भी नैक विशेषज्ञ प्रो॰ प्रतोष बंसल, डॉ॰ के॰ रमा, डॉ॰ बी॰एस॰ मधुकर एवं डॉ॰ रूचि त्रिपाठी द्वारा प्रदान किए गये।

कार्यशाला के प्रतिभागियों को तीन वर्गों में बाँटकर उन्हें व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किये गये। प्रथम वर्ग में वैसे अंगीभूत महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों को रखा गया था, जिन्हें पूर्व से ही नैक–प्रत्ययन प्राप्त है और जिन्हें अपनी ग्रेडिंग में बेहतरी की कोशिशें करनी हैं। दूसरे वर्ग में ऐसे अंगीभूत कॉलेज या यूनिवर्सिटी के 'नैक' के नोडल ऑफिसर प्रशिक्षण के लिए रखे गये थे, जिन्होंने आई॰आई॰क्यू॰ए॰ या 'एस॰एस॰आर॰ भर दिया है। तीसरे वर्ग में वैसे 'नैक' के लिए निबंधित कॉलेज शामिल थे, जिन्होंने आई॰आई॰क्यू॰ए॰ या एस॰एस॰आर॰ अबतक नहीं भरा है। तीसरे वर्ग के कई शिक्षण संस्थानों ने प्रशिक्षण के क्रम में ही अपना आई॰आई॰क्यू॰ए॰ भरने में सफलता हासिल कर ली। इस प्रायोगिक तकनीकी सत्र के समन्वयक डॉ॰ बी॰बी॰एल॰ दास थे। राजभवन के एन॰आई॰सी॰ प्रतिनिधि पदाधिकारी श्री विजय कुमार ने भी 'नैक' प्रत्ययन के क्रम में ऑन–लाईन दाखिल होनेवाले उक्त दोनों प्रपत्रों की अपलोडिंग के बारे में प्रतिभागियों को बताया। समापन सत्र में विश्वविद्यालयों के कुलपति, कुलसचिव, 'नैक' के नोडल पदाधिकारी, राज्यपाल सचिवालय के संयुक्त सचिव श्री विजय कुमार आदि भी उपस्थित थे।

.....